



गाँधी रिसर्च फाउण्डेशन

०१ जून, २०१७

संस्थापक
भवरलाल हि. जैन

प्रति,
मा. आचार्य महोदय

चेअरमन
न्या. चंद्रशेखर धर्माधिकारी

सादर अभिवादन,

संचालक
डॉ. अनिल काकोडकर
डॉ. डी. आर. मेहता
अशोक जैन
दलिचंद ओसवाल
डॉ. सुदर्शन आर्यंगार
अनिल जैन
ज्योती ए. जैन

सलाहकार समिति
डॉ. रघुनाथ माशेलकर
के. बी. ठक्कर
डॉ. टी. करुणाकरण
राधाबहन भट्ट
डॉ. भालचंद्र नेमाडे
ना. धो. महानोर
डॉ. के. बी. पाटील
पी. वी. राजगोपाल

गाँधी रिसर्च फाउण्डेशन (GRF) भारतीय संस्कृति विशेषतया गांधी दर्शन और नैतिक मूल्यों पर शोध में प्रतिबद्ध एक अन्तर्राष्ट्रीय संस्था है। अपनी बहुआयामी गतिविधियों के माध्यम से गाँधीजी के जीवन मूल्यों को समाज में स्थापित करना तथा सत्य, अहिंसा, शांति, पर्यावरण-संवर्धन, आपसी सहयोग की भावना का वैश्विक स्तर पर विकास करना संस्था का मुख्य उद्देश्य है। फाउण्डेशन भावी पीढ़ी को संस्कारित करने, उसे गाँधीजी के जीवन कार्यों से अवगत कराने तथा उनके विचारों का प्रचार-प्रसार करने की दिशा में भगीरथ प्रयास कर रहा है।

इसी क्रम में गाँधी रिसर्च फाउण्डेशन सन् २००७ से 'गाँधी विचार संस्कार परीक्षा' (GVSP) नामक एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम चला रहा है जिसकी शुरुआत महाराष्ट्र के जलगाँव जिले के चार हजार छात्रों से की गयी। शाश्वत जीवन मूल्यों की शिक्षा देने वाला यह कार्यक्रम माध्यमिक एवं उच्चमाध्यमिक विद्यालयों, महाविद्यालयों, वैद्यकीय तथा अभियांत्रिकी धाराओं समेत सभी व्यावसायिक तथा तांत्रिक शैक्षणिक संस्थाओं में प्रति वर्ष आयोजित किया जाता है। इस कार्यक्रम की लोकप्रियता इतनी बढ़ी कि आज यह महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश, कर्नाटक व गोवा में प्रति वर्ष आयोजित होने लगा है। यहाँ तक कि फाउण्डेशन के इस कार्य की सराहना करते हुए महाराष्ट्र एवं मध्यप्रदेश की सरकार ने 'गाँधी विचार संस्कार परीक्षा' आयोजित करने के लिए विशेष परिपत्र घोषित किया है। पिछले एक दशक के दौरान तीन देशों एवं भारत के विभिन्न राज्यों के करीब दस लाख से अधिक छात्र 'गाँधी विचार संस्कार परीक्षा' में सम्मिलित हो चुके हैं, इससे इसकी लोकप्रियता तथा स्वीकार्यता का अनुमान लगाया जा सकता है।

इसकी समग्रलक्षिता को ध्यान में रखते हुए वर्ष २०१७ से फाउण्डेशन इस कार्यक्रम को बापू की जन्मभूमि गुजरात के सभी विद्यालयों, उच्चविद्यालयों व महाविद्यालयों में सम्मिलित करने जा रहा है। आइये, हम साथ मिलकर महात्मा गाँधी और कस्तूरबा की १५०वीं जन्म-जयन्ती के अवसर पर मूल्यलक्षी समाज निर्माण की दिशा में दृढसंकल्प के साथ आगे बढ़ें।

हमें पूरा विश्वास है कि इस परीक्षा के माध्यम से विद्यार्थियों में महात्मा गाँधी के नैतिक मूल्यों का विकास कर उन्हें एक आदर्श नागरिक बनाने के लिए, आप प्रति वर्ष आपकी विद्यालय व उच्चविद्यालय के सभी छात्रों को गाँधी विचार संस्कार परीक्षा में बिठाइयें। इस नेक प्रयास में आपके सक्रिय सहयोग और सहभागिता की अपेक्षा है।

आपको अभिवादन पूर्वक धन्यवाद।

भवदीय,

उदय महाजन
समन्वयक

संलग्नक: १) परीक्षा का सम्पूर्ण जानकारी-पत्रक २) प्रपत्र अ, ब और क

सम्पर्क : कार्यालय: ०२५७-२२६००३३/२२६४८०१, मो.: ०९४०४९५२७२, ०९४०४९५२२०, ९४०४९५३००

नोट: गाँधी तीर्थ यह सहल आयोजन हेतु प्रसिद्ध स्थल है, उसका जानकारी पत्रक भी साथ में जोड़ा हुआ है। कृपया आपसे विनम्र निवेदन है की सहल आयोजन के बारे में हमसे संपर्क करें।

सत्य ही ईश्वर है। - मो. क. गाँधी

गाँधी तीर्थ, जैन हिल्स, पोस्ट बॉक्स क्र. 118, जलगाँव 425001 भारत. दूरभाष +91 257 2260033, फैक्स +91 257 2261133
ई-मेल-info@gandhifoundation.net • वेबसाइट- www.gandhifoundation.net, www.mkgandhi.org

CIN: U73200MH2007NPLI69807



गाँधी रिसर्च फाउण्डेशन

गाँधी विचार संस्कार परीक्षा- २०१७-१८

जानकारी पत्रक

- गाँधी विचार संस्कार परीक्षा का माध्यम गुजराती, हिंदी, अंग्रेजी और मराठी होगा।
- परीक्षा में ५ वीं से स्नातकोत्तर तक के विद्यार्थी तथा शिक्षकगण भी सम्मिलित हो सकते हैं।
- विविध जीवनमुल्यों का परिचय विद्यार्थियों को हों इसलिए हर कक्षा के लिए अलग-अलग पुस्तकें निर्धारित हैं।
- परीक्षा में १० अंक दीर्घोत्तरीय प्रश्नों के लिए रहेंगे। तथा बाकी प्रश्न बहुपर्यायी होंगे।
- परीक्षा के लिए प्रत्येक विद्यार्थी से न्यूनतम शुल्क लिया जाता है। इसमें किताब की कीमत भी सम्मिलित है।
- अपनी विद्यालय/उच्चविद्यालय में परीक्षा का आयोजन एवं व्यवस्थापन करने के लिए (विद्यार्थी संख्या के आधार पर) परीक्षा समन्वयक नियुक्त किए जा सकते हैं। परीक्षा समन्वयक को कक्षानुसार सूची बनाना, परीक्षा शुल्क एकत्रित कर उसकी जानकारी फाउण्डेशन को भेजना, प्राप्त कि हुई पुस्तकें विद्यार्थियों को देना, परीक्षा का आयोजन करना, उत्तर पत्रक की जांच करना, परिणाम पत्रक तैयार करके हमारे पास भेजने आदि की जिम्मेदारी निभानी होगी।
- कक्षानिहाय पुस्तक का नाम, भाषा, परीक्षा शुल्क निम्नलिखित स्वरूप में रहेंगे।

वर्ग	पुस्तक-विवरण	भाषा	परीक्षा शुल्क	मार्क्स
५ वीं	गांधी बापु / गाँधी बाबा / Our Bapu / गांधी बापू	गुजराती/हिंदी/अंग्रेजी/मराठी	३०/-	५०
६ वीं	गांधीजी / गाँधीजी / Gandhiji / गांधीजी	गुजराती/हिंदी/अंग्रेजी/मराठी	३०/-	५०
७ वीं	बापु-माँ / बापू मेरी माँ / Bapu My Mother / बापू माझी आमी	गुजराती/हिंदी/अंग्रेजी/मराठी	३०/-	५०
८ वीं	गांधी कथा / गाँधी कथा / Gandhi Katha / गांधी कथा	गुजराती/हिंदी/अंग्रेजी/मराठी	३०/-	६०
९ वीं	गांधीगंगा / गाँधी गंगा / Gandhi Ganga / गांधी गंगा	गुजराती/हिंदी/अंग्रेजी/मराठी	३०/-	६०
१० वीं	गांधीजीनुं जीवन ओभना जे शब्दों में / गाँधीजी का जीवन उन्हीं के शब्दों में / Gandhi's Life in His Own Words / गांधीजींचे जीवन त्यांच्याच शब्दात	गुजराती/हिंदी/अंग्रेजी/मराठी	३०/-	६०
११ वीं	मंगलप्रभात / मंगल प्रभात / Mangal Prabhat / मंगल प्रभात	गुजराती/हिंदी/अंग्रेजी/मराठी	३०/-	७०
१२ वीं	आरोग्यनी यात्री / आरोग्य की कुँजी / Key to Health / आरोग्याची किल्ली	गुजराती/हिंदी/अंग्रेजी/मराठी	३०/-	७०
शिक्षक	पाथानी डेवोएली / बुनियादी शिक्षा / Basic Education	गुजराती/हिंदी/अंग्रेजी	५०/-	७०

- फाउण्डेशन की ओर से सभी साहित्य (पुस्तकें, प्रश्नपत्र, नमूना उत्तरपत्र) पोस्ट/कुरिअर द्वारा आपको भेजा जाएगा।
- विद्यार्थियों से जमा शुल्क की २० प्रतिशत राशि समन्वयक को अपने पास रखनी है। इसका उपयोग परीक्षा व्यवस्था, डाक खर्च, परीक्षा समन्वयक का मानदेय व अन्य खर्च में किया जाना है। शेष ८० प्रतिशत राशि साथ में संलग्न प्रपत्र अ तथा ब के अनुसार भरकर फाउण्डेशन को भेजना होगा। प्रपत्र अ और ब की एक प्रत समन्वयक शिक्षक ने फोटोकॉपी करके अपने पास रखनी है।
- परीक्षा राशि आप 'गाँधी रिसर्च फाउण्डेशन के निम्नलिखित बैंक खाता में जमा कर सकते हैं। या किसी भी राष्ट्रीयकृत बैंक में से आप हमारे अक्सिस बैंक (AXIS Bank) खाते में NEFT/RTGS भी कर सकते हैं।

खातेदार का नाम : गाँधी रिसर्च फाउण्डेशन
 बैंक : अक्सिस बैंक
 शाखा : पटेल प्लाज़ा, जलगाँव
 खाता क्र. : 912010045398136;
 IFSC Code : UTIB0000174

आप गाँधी रिसर्च फाउण्डेशन, जलगाँव के नाम से किसी भी राष्ट्रीयकृत बैंक से डी.डी. द्वारा भी परीक्षा शुल्क भेज सकते हैं। बैंक खाते में पैसे जमा करने के बाद या NEFT/RTGS करने के बाद बैंक में जमा की हुई राशी की रसीद या उसकी फोटोकॉपी विद्यार्थियों के सूची के साथ भेजना अनिवार्य है। **(चेक मान्य नहीं है, इस बात का ध्यान रखें)**

११. आपके द्वारा भेजी गयी नामों की सूची (प्रपत्र अ और ब) और परीक्षा शुल्क प्राप्त होने के बाद आपके स्कूल/कॉलेज का नाम रजिस्टर होगा। उसके बाद १० दिनों के भीतर विद्यार्थियों की संख्या के अनुसार पुस्तकें, प्रश्न-पत्र और नमूना उत्तर-पत्रक फाउण्डेशन की ओर से भेज दिये जायेंगे।
१२. इस परीक्षा के लिए आपको होनेवाला कुरिअर/पोस्टेज खर्च कम करने के लिए तथा आपके स्कूल/कॉलेज का प्रवेश हमें मिलने के लिए होनेवाली देरी की असुविधा को देखते हुए आप अपने स्कूल/कॉलेज का रजिस्ट्रेशन <http://exam.gandhifoundation.net> इस लिंक पर जाकर Log in करके कर सकते हैं। यह परीक्षा आप Online पद्धति से आयोजित कर सकते हैं। (अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें – ९४०४९५५२७२, ९४०४९५५२२०, ९४०४९५५३००)
१३. छात्रों के नाम के साथ प्रमाणपत्र भेजने की व्यवस्था फाउण्डेशन के द्वारा की जा रही है। इसके लिए समन्वयक को सभी छात्रों के नाम उसकी कक्षा के अनुसार gandhiexam@gandhifoundation.net को ई-मेल करें (छात्रों के नाम के स्पेलिंग की जिम्मेदारी समन्वयक की होगी।)
१४. स्कूल/कॉलेज दि. ३० अक्टूबर २०१७ तक परीक्षा आयोजित करें। (दि. २ अक्टूबर २०१७ को गाँधी जयन्ती के उपलक्ष्य में परीक्षा का आयोजन किया जा सकता है।)
१५. परीक्षा संपन्न होने के बाद उत्तर-पत्रकों का तुरंत मूल्यांकन करके प्रत्येक कक्षा में प्रथम तीन स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के उत्तर-पत्रक, परिणाम-पत्रक आचार्य द्वारा हस्ताक्षरित (प्रपत्र क के अनुसार) और परीक्षा देते समय परीक्षार्थियों की सामूहिक तस्वीर दि. ३० नवम्बर २०१७ तक गाँधी रिसर्च फाउण्डेशन को भेजे। इसके साथ ही परीक्षा का समाचार अगर न्यूज पेपर में आया है तो उसका कात्रण एवं परीक्षा सन्बन्धी आपके सुझाव/अभिप्राय फाउण्डेशन को भेजे। तथा इस परीक्षा में सहभागी छात्रों के गाँधी विचारों की वजह से उनके जीवन में जो बदलाव हुये है उसके अभिप्राय छात्रों के हस्ताक्षर में भेजिए।
१६. हर कक्षा से सभी स्कूलों एवं कॉलेजों से जिले में प्रथम तीन स्थान पाये हुए विद्यार्थियों को विशेष मानचिन्ह एवं प्रशस्ति-पत्र दिया जायेगा। शेष सभी उपस्थित विद्यार्थियों को सहभाग प्रशस्ति-पत्र दिया जायेगा। सभी समन्वयक शिक्षकों को सहकार्य के लिए और सभी स्कूल/कॉलेज को यशस्वी आयोजन हेतु प्रशस्ति-पत्र, यशस्वी आयोजन के लिए छात्रों की संख्या अनुसार योग्य भेंट प्रदान कि जायेगी।

१७. परीक्षा की महत्वपूर्ण तिथियाँ

प्रपत्र अ और ब भेजने की अन्तिम तिथि	३० अगस्त २०१७
परीक्षा आयोजित करने की अन्तिम तिथि	३० अक्टूबर २०१७ तक
परिणाम पत्रक प्रपत्र क भेजने की अन्तिम तिथि	३० नवम्बर २०१७

१८. उपरोक्त नियम व सूचनाओं को बदलने और रद्द करने का सर्वाधिकार गाँधी रिसर्च फाउण्डेशन को होगा।

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें

गाँधी रिसर्च फाउण्डेशन

गाँधी तीर्थ, जैन हिल्स, शिरसोली रोड, पो. बॉ. नं. ११८, जलगाँव – ४२५००१ (महाराष्ट्र)

कार्यालय: ०२५७-२२६४८०१, २२६००३३, फैक्स: २२६११३३,

मो. ०९४०४९५५२७२, ०९४०४९५५२२०; ९४०४९५५३००

ई-मेल: gandhiexam@gandhifoundation.net; info@gandhifoundation.net;

संकेत स्थल: exam.gandhifoundation.net; www.gandhifoundation.net



गाँधी रिसर्च फाउण्डेशन, जलगाँव

नोंदणी क्र :

गाँधी विचार संस्कार परीक्षा २०१७-१८

प्रपत्र - अ

अ) विद्यालय/उच्चविद्यालय की जानकारी

संस्था का नाम : _____
 विद्यालय/उच्चविद्यालय का नाम : _____
 विद्यालय/उच्चविद्यालय मान्यता क्रमांक : _____
 विद्यालय/उच्चविद्यालय का पता : _____

गाँव : _____ तहसील : _____ जिला : _____

पिन कोड : _____ राज्य : _____ ई-मेल : _____

विद्यालय/उच्चविद्यालय का दूरध्वनी: _____ विद्यालय/उच्चविद्यालय के कुल छात्रों की संख्या: _____

गाँधी विचार संस्कार परीक्षा में विद्यालय/उच्चविद्यालय से सहभागी कुल छात्र: _____ छात्राये: _____

आचार्य/प्राचार्य का नाम : _____ मोबाईल नंबर : _____

समन्वयक का नाम : _____ मोबाईल नंबर : _____

ब) विद्यार्थी संख्या की पूरी जानकारी

कक्षा	किताब का नाम भाषा - (मराठी/हिन्दी/अंग्रेजी)	परीक्षा शुल्क	माध्यम निहाय छात्र				कुल छात्र	कुल परीक्षा शुल्क
			गुजराती	हिन्दी	अंग्रेजी	मराठी		
५ वीं	गांधी बापु / गाँधी बाबा / Our Bapu / गांधी बापू	३०/-						
६ वीं	गांधीजी / गाँधीजी / Gandhiji / गांधीजी	३०/-						
७ वीं	बापु-माझी मा / बापू मेरी माँ / Bapu My Mother / बापू माझी आमी	३०/-						
८ वीं	गांधी कथा / गाँधी कथा / Gandhi Katha / गांधी कथा	३०/-						
९ वीं	गांधीगंगा / गाँधी गंगा / Gandhi Ganga / गांधी गंगा	३०/-						
१० वीं	गांधीजींचे जीवन शब्दांमध् / गाँधीजी का जीवन उन्हीं के शब्दों में / Gandhi's Life in His Own Words / गांधीजींचे जीवन त्यांच्याच शब्दात	३०/-						
११ वीं	मंगलप्रभात / मंगल प्रभात / Mangal Prabhat / मंगल प्रभात	३०/-						
१२ वीं	आरोग्याची चावी / आरोग्य की कुंजी / Key to Health / आरोग्याची किल्ली	३०/-						
शिक्षक/प्राध्यापक	पायांनी डेव्हलप / बुनियादी शिक्षा / Basic Education	५०/-						
कुल								
२०% राशी								
८०% राशी								

क) परीक्षा शुल्क जानकारी: बैंक में भुगतान (NEFT/RTGS): ☐ डी.डी.: ☐ नकद: ☐ रकम: रु. _____

बैंक का नाम: _____ डी. डी. नं.: _____ दिनांक : / / २०

गाँधी रिसर्च फाउण्डेशन, जलगाँव

गाँधी विचार संस्कार परीक्षा २०१७-१८

नोंदणी क्र.:

प्रपत्र - ब

क्र.	विद्यार्थी का नाम (उपनाम प्रथम)	कक्षा	परीक्षा शुल्क
१			
२			
३			
४			
५			
६			
७			
८			
९			
१०			
११			
१२			
१३			
१४			
१५			
१६			
१७			
१८			
१९			
२०			
२१			
२२			
२३			
२४			
२५			
२६			
२७			
२८			
२९			
३०			

टिप: १) विद्यार्थी संख्या अधिक होने पर प्रपत्र ब की फोटोकॉपी का इस्तेमाल करें।

२) यह सूची Unicode Font में टाईप करके ई-मेल करने से छात्रों के नाम के साथ प्रमाणपत्र दिये जायेंगे।



गाँधी रिसर्च फाउण्डेशन, जलगाँव

नॉदणी क्र.:

गाँधी विचार संस्कार परीक्षा २०१७-१८

प्रपत्र - क

कक्षा	५ वी	६ वी	७ वी	८ वी	९ वी	१० वी	११ वी	१२ वी	शिक्षक/प्राध्यापक
उपस्थित विद्यार्थियों की संख्या									

कक्षा ५ वी			कक्षा ६ वी			कक्षा ७ वी		
क्र.	विद्यार्थी का नाम	प्रासांक	क्र.	विद्यार्थी का नाम	प्रासांक	क्र.	विद्यार्थी का नाम	प्रासांक
१			१			१		
२			२			२		
३			३			३		

कक्षा ८ वी			कक्षा ९ वी			कक्षा १० वी		
क्र.	विद्यार्थी का नाम	प्रासांक	क्र.	विद्यार्थी का नाम	प्रासांक	क्र.	विद्यार्थी का नाम	प्रासांक
१			१			१		
२			२			२		
३			३			३		

कक्षा ११ वी			कक्षा १२ वी			शिक्षक/प्राध्यापक		
क्र.	विद्यार्थी का नाम	प्रासांक	क्र.	विद्यार्थी का नाम	प्रासांक	क्र.	विद्यार्थी का नाम	प्रासांक
१			१			१		
२			२			२		
३			३			३		

- विद्यालय/ उच्चविद्यालय का नाम: _____
- विद्यालय/ उच्चविद्यालय का पता: _____
- गाँधी विचार संस्कार परीक्षा के लिए बैठे हुए विद्यार्थियों की संख्या : _____
- गाँधी विचार संस्कार परीक्षा के लिए उपस्थित विद्यार्थियों की संख्या : _____
- कुल समन्वयक : _____

समन्वयक का नाम तथा हस्ताक्षर

विद्यालय/उच्चविद्यालय का स्टैम्प

आचार्य का नाम तथा हस्ताक्षर



गाँधी रिसर्च फाउण्डेशन, जलगाँव

नोंदणी क्र.:

गाँधी विचार संस्कार परीक्षा २०१७-१८

प्राप्तांक-सूची कक्षा : _____

क्र.	विद्यार्थी का नाम (उपनाम प्रथम)	प्राप्तांक	क्र.	विद्यार्थी का नाम (उपनाम प्रथम)	प्राप्तांक
१			३१		
२			३२		
३			३३		
४			३४		
५			३५		
६			३६		
७			३७		
८			३८		
९			३९		
१०			४०		
११			४१		
१२			४२		
१३			४३		
१४			४४		
१५			४५		
१६			४६		
१७			४७		
१८			४८		
१९			४९		
२०			५०		
२१			५१		
२२			५२		
२३			५३		
२४			५४		
२५			५५		
२६			५६		
२७			५७		
२८			५८		
२९			५९		
३०			६०		

टिप: १) विद्यार्थी संख्या अधिक होने पर प्रपत्र ब की फोटोकॉपी का इस्तेमाल करें।

२) यह सूची Unicode Font में टाईप करके ई-मेल करने से छात्रों के नाम के साथ प्रमाणपत्र दिये जायेंगे।



GANDHI VICHAR SANSKAR PARIKSHA

Moving towards a holistic society by nurturing individuals with eternal values



Gandhi Research Foundation
Gandhi Teerth, Jain Hills, Jalgaon

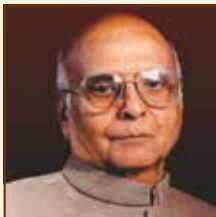
FOUNDER



Dr. Bhavarlal Jain (1937-2016)

Dr. Bhavarlal H Jain: Founder, Gandhi Research Foundation and Founder Chairman, Jain Irrigation System Limited; initiator of comprehensive research on and development of human face cutting edge technology in the sector of water management and future-farming. An exemplary social entrepreneur who moved by the values of nonviolence and truth, conducted his business on the path of Trusteeship towards the welfare of all; a philanthropist who established several schools, an eye hospital, sports association, charity home, constructed an irrigation dam for public use, all in the rural town of Jalgaon. The Govt. of India honoured him with Padmashri Award.

BOARD OF DIRECTORS



Justice C.S. Dharmadhikari
Chairman

Indian independence movement activist, a reformist thinker former acting Chief Justice of Bombay High Court; Recipient of Padma Bhushan Award (2003).



Dr. Anil Kakodkar
Director

Former Chairman, Atomic Energy Commission of India; Director, Bhabha Atomic Research Centre, Trombay (1996-2000); Chairman, Rajiv Gandhi Science & Technology commission, Govt. of Maharashtra; honored with Padma Vibhushan award.



Dr. D. R. Mehta
Director

Former Dy. Governor of Reserve Bank of India; Founder and Chief patron of Bhagwan Mahaveer Viklang Sahayata Samiti (BMVSS) and is the man behind the 'Jaipur Foot'; former chairman of Securities and Exchange Board of India; recipient of Padma Bhushan award.



Ashok Bhavarlal Jain
Director

Chairman of JISL agro-conglomerate; Specialist on Water & Crop Management and Organic Food Processing; a well known philanthropist and a sports lover. Founder President of Mahavir Cooperative Bank and Vice-President of Maharashtra Harijan Sevak Sangh.



Dalichand Oswal
Director

Founder Member and Chairman, Shree Mahavir Sahakari Bank Ltd., Jalgaon; President, Mah. Jain Swadhyay Sangh, and of a number of social and religious Institutions; honored with titles such as 'Samaj Shiromani', 'Ajatshatru', and 'Sevadas'.



Dr. Sudarshan Iyengar
Director

Vice Chancellor, Gujarat Vidyapeeth, Ahmedabad, India (2005- 2015); Director of GIDR (1999-2004); Director, CSS, Surat (2004-05); Distinguished Chair Prof., Gandhian Philosophy, IIT, Bombay; Vice Chairman, High level Gandhi Memorial committee, Min. of Culture, Govt. of India.



Anil Bhavarlal Jain
Director

Vice-Chairman and Managing Director, Jain Irrigation Systems Limited; an expert in finance, international marketing and change management; Chairman, Council on Agriculture & Food Security - ASSOCHAM; Director, PAPSAC-HBS (Private & Public Scientific, Academic & Consumer Food Policy Group-Harvard Business School).



Jyoti Ashok Jain
Director

Trustee, Bhavarlal and Kantabai Jain Multipurpose Foundation, Jalgaon, Trustee, Bahinabai Chaudhari Memorial Trust, Jalgaon. Active contributor to various social forum.

ADVISORY BOARD



Dr. R. A. Mashelkar

Former Director General, CSIR, President, Global Research Alliance, a network of public funded research and development institutes across the world having 60,000 scientists; Chairperson, India's National Innovation Foundation. Recipient of Padma Vibhushan Award.



K. B. Thakkar

Gandhian Thinker; promotor of 'Constructive programme' and literary campaign on Gandhi.



Dr. T. Karunakaran

Faculty, IIT Delhi and Madras(1975-87); Vice-Chancellor, Chitrakoot University (1997-2004); Vice-Chancellor, Gandhi Gram Rural University (2004-07); Director, MGIRI (2008-13): An expert in Rural Industrialization.



Radhaben Bhatt

Former Chairperson, Gandhi Peace Foundation; senior Gandhian Constructive Worker. Member, Board of Directors, Kasturba Gandhi National Memorial Trust, Indore; fondly known as 'Daughter of Himalayas' for her campaign for the hill women's Rights.



Dr. Bhalchandra Nemade

A Gyanpith Award winning Marathi writer; Deshivad Literary trend setter. Padmashri Award winner (2011).



N. D. Mahanor

A renowned Marathi writer and Poet. Former Head, Maharashtra Sahitya Sanskriti Mandal; Member of Sahitya Academy; a two time member of the Legislative Council, Maharashtra (nominated); Padmashri awardee (1991); Yeshvantrao Chavan Award (1992).



Dr. K. B. Patil

Former Vice-Chancellor of North Maharashtra University, Jalgaon; President Nominee for Delhi University; Member, Advisory Committee, Higher Education, UGC.; Director, R C Patel Group of Institutes, Shirpur; Established Gandhi Research Centre in NM University, Jalgaon.



P. V. Rajagopal

President and Founder Member, Ekta Parishad; Organizer of massive Land Rights Campaign such as Janadesh 2007 and Jan Satyagraha 2012; former Vice-president, Gandhi Peace Foundation; Winner of Indira Gandhi Award for National Integration.



Magnificent view of Gandhi Teerth

STATEMENT OF PURPOSE

Mission

To strive towards establishing a world-order based on Truth, Non-violence, Peaceful co-existence, Conservation and Love for labour. Values cherished and practised by Mahatma Gandhi.

Vision

To preserve for posterity the profound legacy of Gandhiji's life, thought and work.

Background

The prevailing situation in the world today compels every right thinking person to revisit the underlying perceptions and value system of the present model of development followed world over and seek alternatives for creating a sustainable civilization based on the eternal values of Truth and Non-violence as taught and practised by Gandhiji. That the world at large has awakened to this realization is clear from the fact that United Nation has declared 2nd October, the birth day of Gandhiji, as "International Day of Non-violence and Peace".

Great sages and seers like Bhagavan Mahavira, Gautam Buddha and Jesus Christ have preached the gospel of Love or Ahimsa. The focus of the teachings of the above gurus was transforming individual consciousness. Gandhiji's philosophy and programmes integrated and institutionalised these precepts as means of transforming

the society. He also developed non-violence into an effective weapon in the fight for the realization of universal justice. As never before in history he also insisted on using fair means for achieving laudable ends. "As the means so the end", he argued.

The world is, of course, in the midst of a multifaceted crisis. People are looking for solutions. It is therefore important to draw the attention of serious minded and earnest people to the solutions offered by Gandhiji because he was basically a man of action who tried to evolve solutions to problems faced by humanity on the basis of ethical principles. Thus Gandhi's life and principles become relevant as solutions to the contemporary issues.

It is true that larger constituencies of people from around the world are trying to study Gandhiji's life, philosophy and work. The number of experiments in the direction suggested by Gandhiji are also increasing. He is viewed as a timeless inspirer!

All these point to a need, not only to propagate Gandhi's life and principles, but also to preserve them for posterity. Gandhi Teerth, encompassing an international research centre, a monumental Gandhi Museum, a capacious library and modern archives has been conceived and constructed keeping these concepts in view. Gandhi Teerth was dedicated to humanity by Pratibha Devisingh Patil, President of India on 25th March, 2012.



Reaching out to Children

GANDHI VICHAR SANSKAR PARIKSHA (GVSP)

Value Learning by Knowing Gandhi

- GVSP is a reflective learning experience aimed at offering the young generation, foundational values of human heritage and enabling them with harmony between body, mind and soul, and among all lives.
- Based on value-rich reading material containing moral stories and historic anecdotes from the life and work of Gandhiji.
- This interactive course is designed by an Academic Council constituted of eminent Gandhian thinkers and practitioners.
- Students of Middle & High Schools and Colleges (up to PG); Rural and Small Town Students are encouraged for enrollment.
- Special focus on Jail inmates.
- 'Open for all' programme.
- Participants are invited to write and reflect on what they understood and learnt from Gandhiji's teachings through GVSP reading materials.
- Students who attend GVSP are awarded with a certificate of participation and those who showed greater understanding are given an award.



Blooming children engrossed in value expression



GVSP for Jail inmates: Brooding on ethical living

GVSP helped us reach the students with the life message of Gandhiji, as well as his cardinal principles such as Ahimsa, Satya, Swadeshi Peace, Love, fraternity and equality. We are sure this exam nurtures in young minds righteous culture.

– Shri Vanraj Telang, Jilla Parishad High School, Umargaon, Usmanabad.



GVSP coordinators marching on with promising students

Impact

- Conspicuous change in the behavior of students after undergoing GVSP, are reported by parents and teachers.
- Greater understanding and appreciation between teachers and students widely reported.
- Institutions are finding GVSP an effective tool to express and spread the values they are committed to.
- More students showing interest in reading Gandhian Literature.
- Emergence of 'Gandhi Centre' in an increasing number of Institutions.
- A transforming experience offered to Jail inmates, thus preparing them for mainstream life.
- Those who appeared for GVSP, most often enroll for the next level.
- Increasing demand for post-exam interactive session as well as 'Mohan to Mahatma' mobile exhibitions at schools / colleges to address the queries of students.

Participant-friendly method

- GVSP offers multiple language option: English, Hindi, Gujarati, Marathi and Kannada.
- Both on-line and conventional reading cum writing option is available.
- Multi level GVSP for the aspirants to learn further and further.
- GVSP and related programs conducted at their respective campus.
- Conducted all over India as well as in Japan & France.



Academic Council working on the GVSP course content



GVSP reaching remote schools



Boys and Girls reflecting on ethics

GVSP has been a regular feature in our School's annual programme. GRF's effort to spread the nonviolence message of Gandhiji is laudable & we assure you of our full support. Adding Urdu as a medium of GVSP will help a large number of Urdu medium schools across the country avail the benefit of this unique program.

– Head Master, Urdu Madhyamik Vidyalay, Umbarde, Sindhudurg.

Strength

- GVSP corresponds with over 50,000 organizations across India and a substantial number overseas.
- A well spread collaborative network of 10,000 Educational Institutions.
- Effectively equipped dedicated infrastructure.
- Programme executed by a committed team.
- Annually updated course content and material.
- Specially designed Management Information System.
- Ten consecutive years of conducting GVSP.
- Ever increasing response from students; - started with 3876 students from one district of Maharashtra in 2007, has now touched the lives of 10 lakh students from across India and few overseas countries.



A young participant expressing her GVSP experience



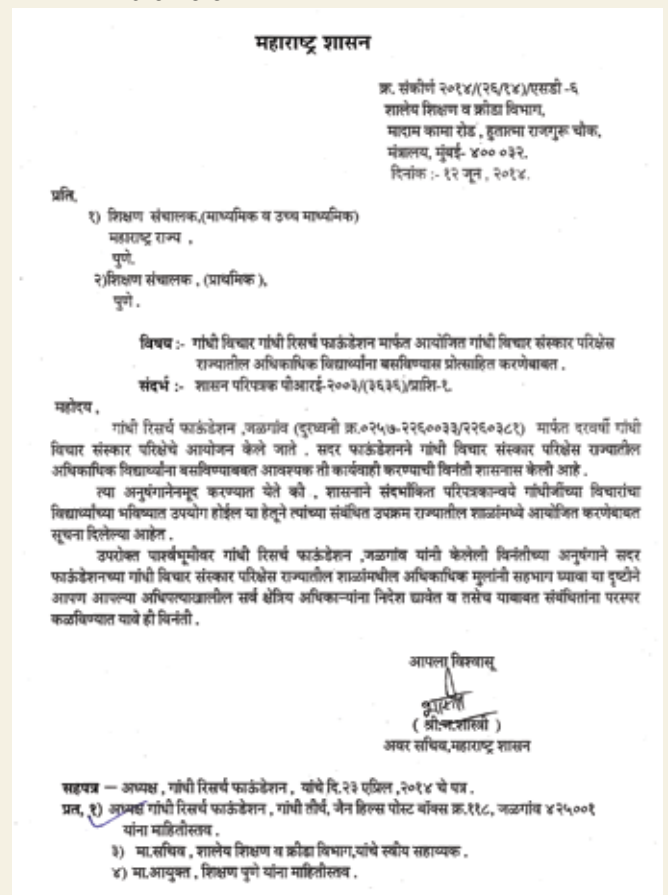
Follow up 'Mohan to Mahatma' exhibition at schools



Jail inmates at the exhibition

On-Field Collaborators

- Govt. of Maharashtra & Govt. of Madhya Pradesh which issued a circular promoting GVSP.
- MOU and Collaboration with 30 leading Educational Institutions collectively having 10,000 schools, such as:
 1. Rayat Shikshan Sanstha, Satara
 2. Maratha Vidya Prasarak Samaj, Nasik.
 3. Mahatma Gandhi Shikshan Mandir, Nasik.
 4. Swami Vivekanand Shikshan Sanstha, Kolapur.
 5. Marathwada Shikshan Prasarak Mandal, Aurangabad.
 6. Sayadri Shikshan Sanstha, Savarde, Chiplun
 7. Sarswati Bhuvan Shikshan Prasark Sanstha, Aurangabad.
 8. Bharti Vidyapith, Pune.
 9. Agriculture Development Trust, Baramati.
 10. Mahatma Phule Shikshnik & Samajik Mandal, Chalgao.
 11. Shri Shivaji Shikshan Santha, Amravati.
 12. Shirpur Education Society, Shirpur.
 13. Shri Shivaji Shikshan Santha, Barshi.
 14. Gandhi Smarak Nidhi, Karnataka
 15. Kasturba Gandhi National Memorial Trust, IndoreAnd others.



Govt. of Maharashtra Circular: an impetus to GVSP.

We found, this GRF led campaign for preserving the legacy of Gandhi, is immensely effective among the young generation. This is the third year we hold it in a row.

– Head Master, Indaidevi Madhyamik Vidyalay, Dhulia, MS.

Process

- Communication by post and courier to the institutions across the country and On-line communication through web and social media.
- Getting individuals enrolled through the Institutions that respond.
- Distributing reading materials and question paper.
- A reflective learning cum writing exercise.
- Evaluating and certifying the participants, honoring better performers.
- Organizing district level follow-up workshops and discussion forums.
- Refresher courses for the GVSP school/college coordinators for quality enhancement.
- Collecting feedback; documenting the experiences and learnings.
- Raising financial resources for printing reading materials, question papers, circulars and certificates, preparing Trophies and Awards, to mete out Postal charges, honorarium to coordinators, follow up programme, administrative expenses, etc.



Gearing up for GVSP



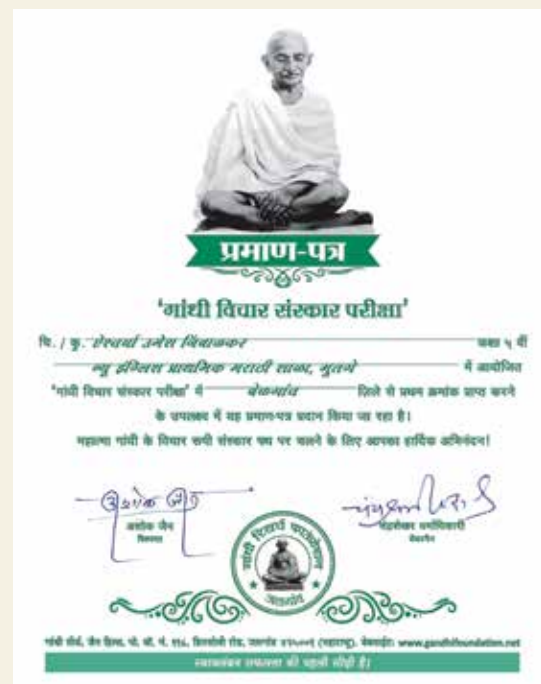
Refresher Training for Coordinators

Plan

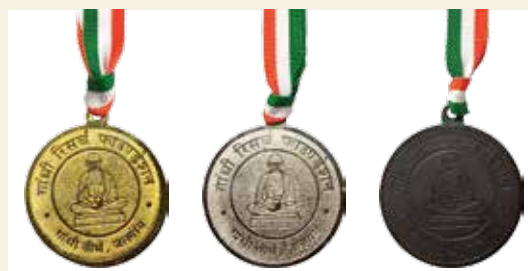
- Offering GVSP to larger number of students all over India.
- On-line portal for follow up interaction and Q & A sessions.
- Donor sponsored scholarship for meritorious students.
- A Board of Studies comprising of senior Gandhian scholars and academicians for periodical course and content updation and framing of question paper.



Designing an action Plan: GRF Expert committee



Everyone receives a certificate of Participation



Meritorious participants awarded with medals

Thanks to GVSP we find a good number of students reading books on the Life and Works of Mahatma Gandhi. There is a visible positive effect on students, as quite a few resolved to adhere in their own lives to values enshrined in the teachings of Gandhiji. It's an essential orientation to students as they constitute the future of the nation.

– Prof. Dr. Aruna Deshmukh, Vimalabai Deshmukh Mahavidyalay, Amravati.



Workshop on Development Communication



EmPeace LABS: International Peace Leadership Lab



Specialized Gandhian Library



Conservation of Historic Gandhian Documents

OTHER ACTIVITIES OF GRF

Academic Study & Research

- Academic applied studies on Developmental Social Work (PG Diploma in Gandhian Social Work).
- World Lecture Series on Nonviolence concerns.
- Workshops on EmPeaceLABS to train international volunteers on Empowerment for Peace through Leadership in Agri Business and Sustainability.
- Training on Peace Building, Conflict Transformation and Non-violent Living.
- Publishing Books and 'Khoj Gandhiji Ki' magazine.
- Connects all its academic endeavor with community application.
- Has trained 22 young development leaders, been working in rural Maharashtra.



Objects used by Gandhiji during the 1936 Congress session at Faizpur

Library & Archive

- 9920 Books on Gandhi and his work.
- 35 Magazines on Gandhiana & Social work.
- Computer terminals with WiFi facility available throughout the day; User friendly reading hall.
- Visual archives containing 5,000 photos of Gandhiji. 4250 photos of Vinoba Bhave and 5750 photos of historic personalities, events and places associated with Gandhiji & the Swaraj movement.
- 152 audio recordings & 85 film footages of Gandhiji. More than 350 audio recordings of Vinoba Bhave.
- Gandhi's original artefacts - 22 clothes, and 4 articles.
- Rare artifacts from the life of Gandhiji, and materials used by him during 1936 Faizpur Congress.
- Mahadev's 56 diaries (48 original and 8 photocopy).
- Scanned copies of 49,021 handwritten letters and other writings of Mahatma Gandhi.
- 3.7 lacs documents & manuscript on Gandhiji.
- 5,000 issues of periodicals edited and published by Gandhiji.
- Gandhiji's commemorative stamps from 119 countries.
- 3658 documents and 18,538 pages of Vinobaji's writings.
- 20 digitized diaries of Manubehn (Gandhi's niece).
- State-of-art reproduction and digitization Lab.

Students find GVSP reading material a repository of values enabling them with fine ethical orientation. Heartfelt thanks for associating us in this applaudable value campaign.

– Pawan K. Preeth, Asst. Teacher, Indira Gandhi Vidyalay, Ramtek, Nagpur



One of the check dams: During the season after desilting.



Women user-group in charge of their community toilet



On-field Dairy training on 'feeding, breeding and cattle health'



Charkha training for rural landless women

Rural Transformation

A well set program on Rural Transformation inspired by the principles of 'Economy of Permanence' and Gram Swaraj has been carried out by GRF in the villages of Maharashtra, with special focus on value addition, watershed and sanitation.

People institutions

- Formation of Farmer Producer Organization (FPO) for Dairy, Cotton, Grains, Flower and Vegetables Farmers.
- Joint Liability Groups (JLGs) to help them optimize their productivity through soil, water and crop management.
- Maximizing the return by creating 'Producer to Consumer Direct' market network.
- Creating Systems to make the process connected to resources, and be self sustainable.

Rural Sanitation

- Creating social awareness on hygienic practices.
- Helping them build and maintain community toilets.
- Enabling them to construct affordable toilets at home.

Watershed development

- Rain water harvesting : roof top with soak pit.
- Water management through Farm Pond and Micro Irrigation.
- Afforestation and Bio-diversity conservation.

Rural Industrialization

Khadi Units:

- Training Villagers on Spinning.
- Producing Khadi cloth and dresses.



Mohalla meeting engaged in development dialogue



Annual 12 day padayatra : promoting love & care amongst villagers



Western facade of the serene Gandhi Teerth

Gandhi Teerth

Gandhi Research Foundation is an International Institute striving to establish a sane society inspired by the life, work and message of Gandhiji.

The Campus has the world's first multimedia digital interactive Museum on Gandhiji. Built under green norms the campus is designed in compliance with environmental principles and powered by solar and bio-gas energy; Winner of GRIHA Adarsh Award and Artists in Concrete Award Asia Fest 2013-14; Over 4 Lakh people visited Gandhi Teerth since 2012.

- Organizing World Lecture Series on issues of global concern.
- Conducting skill training workshops on Peace and Development Leadership.
- Facilitating rural transformation initiatives.
- Archiving the historic documents and artefacts from the life and work of Gandhiji and his associates.



Glimpses of the Museum 'Khoj Gandhiji Ki'.



Gandhi Research Foundation

Gandhi Teerth, P. O. Box. 118, Jain Hills, Jalgaon - 425001. Tel: 0257-2264801; Fax: 0257-2261133;
Website: www.gandhifoundation.net; E-mail: info@gandhifoundation.net

CIN No.: U73200MH2007NPL169807 [@gandhiteerth](https://www.facebook.com/gandhiteerth) [#gandhiteerth](https://twitter.com/gandhiteerth)

सारा विश्व जिसे सदी के महान नायक के रूप में जानता है, उस अलौकिक पुरुष के “मोहन से महात्मा” तक के सफर को देखने के लिये आइये!
महात्मा गाँधी के जीवन और कार्यों पर आधारित विश्व के पहले ऑडियो-गाइडेड संग्रहालय में रोमांचित कर देनेवाले
इतिहास जागरण की अनुभूति के लिये आइये!

गाँधी तीर्थ



fb.com/GandhiTeerth

प्राकृतिक सौन्दर्य से भरपूर, हरे भरे वृक्षों से लदी पहाड़ी पर स्थित महात्मा गाँधी का यह भव्य स्मारक गाँधीजी की बहुमूल्य विरासत को आने वाली पीढ़ियों के लिये सजीव रखने के उद्देश्य से निर्मित है ताकि हम विस्मृत न कर सकें।

“आनेवाली पीढ़ियाँ शायद बड़ी मुश्किल से इस बात पर विश्वास कर पाएंगी कि ऐसा जीता जागता मनुष्य इस धरती पर आया था।”

—अल्बर्ट आइन्स्टाइन

‘महात्मा गाँधी’ नाम सुनते ही-धोती पहने एक वयस्क मूर्ति हमारे आँखों के सामने खड़ी हो जाती है। उनका नाम इतना मशहूर क्यों? भारत के चलन पर उनकी छवी क्यों? सत्य, अहिंसा, अपरिग्रह एवं शान्ति यह विषय आते ही गाँधीजी का ही उदाहरण क्यों?, विश्वभर के विद्वान उनके जीवन पर क्यों अध्ययन करते हैं? ऐसे बहुत सारे सवाल छात्रों के दिमाग पर छाये रहते हैं। ऐसे कई सवाल भविष्य में भी छात्रों के सामने आयेंगे। उस समय उनको क्या प्रत्युत्तर देंगे? क्या दिखायेंगे? इसलिए जलगाँव स्थित गाँधी रिसर्च फाउण्डेशन के संस्थापक भवरलालजी जैन द्वारा ‘खोज गाँधीजी की’ यह संग्रहालय का निर्माण किया गया। महात्मा गाँधी के जीवन-दर्शन को दर्शाता, विश्व का पहला ऑडियो-गाइडेड संग्रहालय, जिसके माध्यम से भावी पीढ़ी में संस्कार एवं मूल्य निर्माण कर सके ऐसी बहुत सारी घटनाएँ यहाँ दर्शायी गई हैं।

उपलब्ध साहित्य: • स्वातंत्र्य संग्राम से जुड़े १५००० छायाचित्र का संग्रह • शोध कार्य को अंजाम देने के लिए ९५०० से भी अधिक ग्रंथों से सज्ज पुस्तकालय • २ लाख से अधिक पन्नों का पत्राचार • महादेवभाई देसाई एवं मनुबेन गाँधी की डायरियाँ • ५००० से भी अधिक नवजीवन, यंग इंडिया, हरिजन सेवक आदि साप्ताहिक पत्रिकाओं के अंक • गाँधीजी द्वारा दिये गये प्रवचनों के १५२ ऑडियो • ८५ फिल्मस् • ११९ देशों के डाक टिकट • गाँधीजी द्वारा उपयोग की गई वस्तुएँ आदी सामग्री का संग्रह।

संग्रहालय की प्रमुख विशेषतायें: • शान्त, प्रदूषण रहित हरे भरे लाखों वृक्षों से लदे मनोहारी लैंडस्केपिंग युक्त जैन हिल्स पर अवस्थित। • संग्रहालय के ३० से अधिक खण्ड टच स्क्रीन, बाईस्कोप, डिजिटल बुक्स, थ्री-डी मैपिंग, एनिमेशन आदी सुविधाओं से सुसज्जित। • गाँधीजी का बचपन, छात्र-काल, दक्षिण अफ्रीका में उनके द्वारा किये गये कार्य की झांकी, सत्याग्रह की फिलोसोफी आदी के जरिए गाँधीजी के जीवन-कार्य की प्रत्यक्ष अनुभूति। • सूत कातते महात्मा गाँधी का हूबहू पुतला। • २८० आसन क्षमता का ऑडिटोरियम और एम्पिथिएटर। • विद्यालय, महाविद्यालय के पुस्तकालय के लिए गाँधी साहित्य व समकालीन साहित्य, खादी, विविध प्रकार के चरखे इ. उपलब्ध। • पर्यटकों के लिए न्यूनतम शुल्क में उत्कृष्ट निवास व शुद्ध शाकाहारी भोजन की व्यवस्था। • घुड़सवारी और बैलगाड़ी का अतिरिक्त आकर्षण। • बैटरी चालित कार, फोटोग्राफर और लाकर्स की सुविधा। • जैन हिल्स, जैन फुड पार्क, टिशु कल्चर पार्क, कान्ताई डैम, अनुभूति स्कूल आदि का ऐच्छिक टूर। • संग्रहालय देखने के लिए १५० छात्रों को ४ घंटे एवं ३०० छात्रों को ६ घंटे का समय लग सकता है। • एक दिन में ६०० लोगों को ही संग्रहालय प्रवेश दे सकते हैं। इसलिए असुविधा से बचने के लिए विद्यालय, महाविद्यालय व ग्रुप के लिए अग्रिम (एडवांस) बुकिंग आज ही किजीए।

अल्प समय में ही वैश्विक प्रसिद्धि प्राप्त यह अद्वितीय संग्रहालय देखने के लिए आप अपने दौरे का पूर्व नियोजन कर गाँधी तीर्थ अवश्य पधारें।

संग्रहालय की झलकियाँ



गाँधीजी के बचपन की प्रमुख घटनाओं को दर्शाता बाईस्कोप



गाँधीजी के स्वयं के साथ किये गये प्रयोग



लंदन में गाँधीजी का कमरा-काल्पनिक दृश्य



दक्षिण अफ्रीका में अपमानित की गई घटना का थ्रीडी एनिमेशन



अहिंसा प्रतीक-हिंसा के बीच शान्ति का सन्देश



चम्पारन की व्यथा किसान से सुनते हुए गाँधीजी



जलियाँवाला बाग नरसंहार की घटना का दृश्य



विदेशी वस्त्रों की होली।



महात्मा गाँधी का हूबहू पुतला

यहाँ कैसे पहुंचें और कहाँ ठहरें

- **रेल-मार्ग:** विभिन्न नगरों से रेल सुविधा, जलगाँव में ६० ट्रेनों का ठहराव जिसमें मुंबई के लिये १४ ट्रेन्स। जलगाँव स्टेशन से गाँधी तीर्थ की सड़क मार्ग से दूरी १० कि.मी.।
- **सड़क मार्ग:** जलगाँव भारत के मध्य में स्थित है, देश की सभी मुख्य शहरों जलगाँव सड़क मार्ग से जुड़ी है। यह शहर राष्ट्रीय महामार्ग क्र. ६ पर आता है। गाँधी तीर्थ अजन्ता से ५५ कि. मी., एलोरा से १४० कि. मी., तथा औरंगाबाद से १६० कि. मी. की दूरी पर स्थित।
- **हवाई-सड़क मार्ग:** हवाई-यात्रा कर औरंगाबाद पहुंचें, सड़क मार्ग से चलकर एलोरा-अजन्ता देखते हुए जलगाँव (५५ कि.मी.) पहुंचकर गाँधी तीर्थ पधारे।
- **हेलिपैड:** गाँधी तीर्थ के पास ही जैन हिल्स में विशेष हेलिपैड बना है। यहाँ निजी हेलिकॉप्टर सेवा द्वारा आ सकते हैं।
- **आवास-व्यवस्था:** हमारे अपने अतिथि गृह तथा जलगाँव स्थित कई होटल उपलब्ध।

स्थान



संग्रहालय का समय: प्रातः ९.३० से सायं. ६ बजे तक सोमवार को संग्रहालय बन्द।

अन्य आकर्षण



उत्कृष्ट निवास व्यवस्था



शुद्ध शाकाहारी भोजन की व्यवस्था



घुड़सवारी



बैटरी चालित कार



गाँधी रिसर्च फाउण्डेशन

गाँधी तीर्थ, जैन हिल्स, जलगाँव - ४२५००१ (महाराष्ट्र) भारत;
फोन: ०२५७-२२६००३३, २२६४८०३, ०९४०४९५५३००, ०९४०४९५५२२०;
ई-मेल: info@gandhifoundation.net; वेबसाइट: www.gandhifoundation.net
CIN No.: U73200MH2007NPL169807 @gandhiteerth #gandhiteerth